SYLLABUS OF DIPLOMA IN AYURVEDA NURSING AND MIDWIFERY

First Year

1. शारीर (शरीर रचना एवं क्रिया)
2. परिचर्या के मूल सिद्धान्त
3. स्वस्थवृत्त्य

   खण्ड - क व्यक्तिगत एवं स्वास्थ्य
   खण्ड - ख आहार एवं पोषण
   खण्ड - ग योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा
4. औषध द्रव्य परिचय
5. रसशाला (फार्मेसी) तथा औषध एवं पथ्य निर्माण
6. कम्प्यूटर शिक्षा तथा श्रव्यदृश्य माध्यम

Second Year

1. चिकित्सा परिचर्या
   Medical Nursing
2. शल्य-शालाक्य परिचर्या
   Surgical, E.N.T. & Ophthalmological Nursing
3. स्त्रीरोग प्रसूति परिचर्या
   Gynaecological Maternity Nursing
4. बालस्वास्थ्य परिचर्या
   Child Health Nursing
5. मनोस्वास्थ्य परिचर्या

   Mental Health Nursing
6. पंचकर्म परिचर्यां
   Panchkarma Nursing

First Year
Paper-I

शारीर (शरीर रचना एवं क्रिया)

(Anatomy and Physiology)

-I शरीर की परिभाषा (Definition of Body), षंडग-शरीर परिचय (Six Division of Body), शारीर शब्दावली (Anatomical Terms)

-II कोषाणु (Cell) ऊत्तक (Tissue) कोष्ठांग (Organs), आशय, कला (Membrane) तथा स्रोतस (Channels) ग्रन्थि (Glands) का सामान्य परिचय एवं कार्य

-III प्राणवह स्रोतस (Respiratiory System) - हृदय (Heart), फुप्फुस (Lungs), नासा गल (Pharynx) स्वरयन्त्र (Larynx) श्वासनलिका (Trachca) तथा वायुकोष (Bronchi and Alveolus) की रचना एवं क्रिया का ज्ञान। श्वसन क्रिया (Physiology of Respiration)

-IV उदकवह स्रोतस (Lymphatic System) - कोषस्थ (Cellular) धातुगत (Tissue) तथा अन्तरस्थ (Interstitial) उदकांश परिवहन, लसिकावाहिका (Lymph Vessels) तथा लसिका परिवहन (Lymph Circulation)

-V अन्नवह स्रोतस (Digestive System) - पाचन के प्रमुख और सहायक अवयवों की रचना एवं क्रिया का ज्ञान (Structure and Functions of digestive and accessory organs), पाचन प्रक्रिया एवं अवशोषण (Process of digestion and absorption), धातुपाक (Metabolism), अग्नि तथा पाचक रस (Enzymes and digestion juice), पाचन प्रक्रिया में त्रिदोष का कर्तृत्त्व (Role of Tridosa in Digestion Process)।

-VI रक्तपरिसंचरण स्रोतस (Cardio-Vascular System) - रक्तवाहिकाऐं (Blood Vessels) {धमनी (Artery) सिरा (Vein) केशिका (Capilaries)} की रचना तथा मुख्य रक्तवाहिकाओं की शरीर में स्थिति का परिज्ञान
(Structure and Position of Cheif Vessels)
यकृत् (Lever) प्लीहा (Spleen) की रचना एवं क्रिया का ज्ञान
रक्त (Blood)- संगठन (Composition), स्कन्दन (Clotting) एवं रक्तवर्ग (Blood Group) का ज्ञान,रस
रक्त संवहन (Blood Circulation), हृत्कार्य चक्र (Cardiac-Cycle), रक्तभार (Blood Preasure) एवं नाड़ी (Pulse) का ज्ञान

-VII माँस एवं अस्थिवह स्रोतस (Musculo-Skeletal System)
अस्थि : प्रकार, रचना एवं क्रिया (Bones: Types, Structure and Function) का ज्ञान
संधि : वर्गीकरण, रचना एवं क्रिया (Joints: Classification, Structure and Function) का ज्ञान
माँसपेशियों के प्रकार, रचना एवं क्रिया (Type of Muscles, Structure and Function) मुख्य माँसपेशियों की स्थिति एवं क्रिया का ज्ञान (Position and Action of Chief Muscles of the Body)

-VIII उत्सर्जन तंत्र (Excretory System) : मूत्रवह संस्थान के अवयवों की रचना एवं क्रिया का ज्ञान (Structure and Function of Organs of Urinary System)
मूत्र निर्माण (Urine Formation) एवं मलोत्सर्ग (Defecation), त्वचा की रचना एवं क्रिया का ज्ञान (Structure and Function of the Skin), शरीर में तान नियन्त्रणए (Regulation of Body Temprature)

-IX मनोवह स्रोतस (Nervous System): केन्द्रीय नाड़ी संस्थान की रचना एवं क्रिया का ज्ञान (Central Nervous System: Structure and Function), स्वायत्त नाड़ी संस्थान की रचना एवं क्रिया (Autonomous Nervous System: Structure and Function) का ज्ञान,
पोषणक, ग्रैवेयक, पराग्रैवेयक, थाइमस, अधिवृक्क, अग्नाशय ग्रन्थियों की रचना एवं क्रिया का ज्ञान
(Structure and Function of Pituitary, Thyroid, Para-Thyroid, Thymus, Supra renal, Pancreas Glands)

ज्ञानेन्द्रियों की रचना एवं क्रिया का ज्ञान (Structure and Function of eye, ear, nose and tongue), दर्शन, श्रवण तथा संतुलन की क्रिंया का ज्ञान (Physiology of vision, hearing and equilibrium),

-X प्रजनन तंत्र (Reproductive System) : पुरूष एवं स्त्री के प्रमुख एवं सहायक प्रजनन अंगों की रचना एवं क्रिया का ज्ञान (Structure and Functions of Male and Female Reproductive and accessory organs) गर्भोत्पादक भाव एवं गर्भाधान (Elements of fetus, mechanism and conception), गर्भस्थ रक्त परिसंचरण और गर्भपोषण का ज्ञान (Fetal Blood Circulation and its Nutrition)

-X दोष धातु मलों की परिभाषा, स्थान भेद एवं कर्म का वर्णन।
प्रकुति एवं उसके प्रकारों का ज्ञान।
ओज के स्वरूप भेद एवं गुणकर्म का वर्णन।

Paper-II

परिचर्या के मूल सिद्धान्त

(Fundamentals of Nursing)

-I परिचर्या का परिचय (Introduction of Nursing)

परिचर्या का अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र, सिद्धान्त एवं इतिहास (Nursing: Meaning, Definition, Nature, Scope, Principle and History), नर्स की परिभाषा, अर्थ, व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक गुण (Definition, Meaning of Nurse and Personal-Professional Qualities), परिचर्या में आचार संहिता (Ethies in Nursing) तथा परिचारक के कर्त्तव्य एवं दायित्व (Duties and Responsibilities of a Nurse)

स्वास्थ्य रक्षा अभिकरण (Health Care Agencies) : चिकित्सालय एवं समुदाय (Hospital and Community), चिकित्सालय के कार्य एवं प्रकार (Types of Hospital and their Functions), परिचारक का रोगी के प्रति, उसके अभिभावक के प्रति, चिकित्सालय के अधिकारियों के प्रति तथा अपने सहकर्मियों के प्रति कार्यव्यवहार

-II रोगी परिचर्याः आतुर एवं स्वस्थ का परिचयः (Introduction to the sick and well), स्वस्थ स्थिति के आयाम (Determinants of Health Status) चिकित्सालय (बहिरंग एवं अन्तरंग) में रोगी के प्रवेश की प्रक्रिया का ज्ञान शैय्या के प्रकार एवं योजना निर्धारण का परिज्ञान, चिकित्सालय के रिकॉर्ड संधारण और रोगी के निर्गम (Discharge) की प्रक्रिया का परिज्ञान

-III रोगी की आवश्यकतानुसार परिचर्या, रोगी के मुख, त्वचा आदि शारीरिक अंगों की स्वच्छता, पोषण सम्बन्धी आवश्यकता का परिज्ञान, पीड़ा और वेदना के समय परिचर्या, रोगी के कार्यों में सहयोग प्रदान करना शैय्याव्रण के कारण लक्षण, चिह्न, बचाव के उपाय तथा परिचर्या, रोगी को स्थानान्तरित करने के तरीके

-IV रोगी परीक्षा के सिद्धान्त एवं प्रक्रियाः दर्शन (Inspection), स्पर्शन (palpation) प्रश्न (Interrogation) श्रवण (auscultation), ठेपण (Percussion) करने की प्रक्रिया, रोगी की शारीरिक परीक्षा जैसेः ऊँचाई भार वाणी (speech) की परीक्षा करने की विधि, रोगी के तापमान, नाड़ी, श्वसन गति, रक्तभार आदि की परीक्षा करने का ज्ञान, रोगी विवरण पत्रक भरने के नियम

-V चिकित्सा सम्बन्धी कार्य एवं परिचर्या, एनिमा देने की विधि, योनि प्रक्षालन, गुद परिषेक तथा अन्य उपचार विधियों में परिचर्या, बन्धन के विविध प्रकारों का ज्ञान, विसंक्रमण की विधियों का ज्ञान, प्रयोगशालीय परीक्षण हेतु नमूनों के संग्रहण करने की विधियों का ज्ञान, शीत-उष्ण प्लोत के प्रयोग का ज्ञान (Cold- Hot sponging)

-VI रक्तपरिसंचरण औषधालय में औषधियों के रखने की विधि, विषाक्त औषधियों को रखने के नियम तथा औषध देने की विधि (मुख-गुदा आदि द्वारा) का ज्ञान एवं चिकित्सालय के बहिरंग एवं अन्तरंग विभाग में होने वाले सभी कार्यों का परिज्ञान, चिकित्सालय मे प्रयुक्त साधन सामग्री एवं उपकरणों के रख-रखाव तथा उनके विसंक्रमण (Sterilization) का ज्ञान।

Paper-III

स्वस्थवृत्त

(Hygiene)

(क) व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं सामुदायिक स्वास्थ्यः- (Personal Hygiene and Communiy Health)

स्वास्थ्य की अवधारणा एवं सफल जीवन से सम्बन्ध (Concept of health and its relation to successful living) :- स्वास्थ्य की परिभाषा (definition of health), स्वास्थ्य के निर्धारक तत्व (Determinants of health), स्वास्थ्यप्रद आदतों का निर्माण (Building of good health habits), स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक, त्वचा, केश, दंत, आंख, कान, हाथ ओर पैर की सुरक्षा के उपाय, निद्रा, व्यायाग, विश्राम का महत्व; दिनचर्या, रात्रिचर्या एवं ऋतुचर्या का महत्व; मानसिक स्वास्थ्य के लक्षण; शिशु, बालक, किशोर, युवा एवं वृद्ध अवस्था की मानसिक स्थिति का ज्ञान; सद्वृत्त - आचार रसायन का महत्व; धारणीय एवं अधारणीय वेग; ब्रह्मचर्य के लक्षण, भेद; विवाह योग्य आयु

रोग एवं आरोग्य का विवेचन; प्राथमिक स्वास्थ्य संरक्षण - तत्व एवं सिद्धान्त (Primary health care Elements and Principles) जल - जल के स्त्रोत, स्वास्थ्यवर्धक जल, जल का महत्व एवं आवश्यकता, जल आपूर्ति तथा स्वच्छता हेतु कार्य-योना, मृदु एवं कठोर जल, जल की अशुद्धियाँ, जल शुद्धि करने के उपाय, दूषित जल से उत्पन्न होने वाली व्यधियों एवं बचाव के उपाय, जल परीक्षण, आदर्श कुआँ, वायु - वायु के कार्य, वायु प्रदूषण, वायु प्रदूषण के सकेतक, वायु प्रदूषण के खतरे, सुरक्षा और नियन्त्रण के उपाय; सवातन के प्रकार, निवास स्थान- निवास स्थान हेतु योग्य भूमि, प्रकाश व्यवस्था, खराब आवास एवं स्वास्थ्य, उत्तम आवास, ध्वनि प्रदूषण - ध्वनि प्रदूषण के स्त्रोत, हानियाँ तथा निरतारण के उपाय।

जनपदोध्वस (Epidemiology) एवं संक्रामक रोग - जनपोदध्वसके कारण एवं स्वरूप। सक्रामक रोग की परिभाषा, संक्रमण के प्रकार एवं प्रसार, संकामक रोग, मक्खी, मच्छर से उत्पन्न एवं प्रसारित होने वाले रोग तथा बचाव के उपाय, व्याधिक्षमत्व का निरूपण, विसंक्रमण (Sterilization) की विधियाँ।

सामाजिक स्वास्थ्य, औद्योगिक स्वास्थ्य, विद्यालय स्वस्थ्य, निरोधक चिकित्सा, स्वास्थ्य शिक्षा एवं सम्प्रेषण कला, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संरक्षण कार्यक्रम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य में नर्सिंग का दायित्व, स्वास्थ्य मूल्यांकन, स्वास्थ्य संरक्षण, संर्वद्धन एवं पुर्नस्थापन्न में नर्सिंग का दायित्व।

(ख) आहार एवं पोषण :- पोषण का स्वास्थ्य के साथ सम्बन्ध (Relationship of nutrition to health), आहार के स्रोत, आहार के आवश्यक तत्व, कार्बोज, प्रोटीन, बसा, खनिज लवण, जीवनीयत्तत्वों के कार्य एवं अभाव जन्य व्याधियाँ, सन्तुलित भोजन, आवश्यक भोजन की गणना विधि (Method of calculating normal food requirements) कुपोषण (Mal-Nutrition) का स्वरूप एवं प्रकार, अष्टविध आहार विधि विशेषायतन

दुर्व्यसन तथा मादक पदार्थ यथा मद्य अफीम, ड्रग्स, तम्बाकू आदि का शरीर पर कुप्रभाव एवं उसे त्यागने की विधि।

राष्ट्रीय पोषण संस्थान परिचय, पोषण कार्यक्रम परिचय, चिकित्सालय में आहार योजना।

(ग) योग एवं प्राकृतिक चिकित्साः-

योगः- योग की परिभाषा एवं प्रयोजन, योग के अंग, (भेद) आयुर्वेद में योग का वर्णन, स्वास्थ्य रक्षण में योग का महत्त्व, विभिन्न आसनों की उपयोगिता तथा स्वास्थ्य पर उसका प्रभाव, प्राणायाम की विधि एवं व्याधियों का प्रतिकार

प्राकृतिक चिकित्सा :- प्राकृतिक चिकित्सा का प्रयोजन एवं महत्त्व, जल का ठण्डे गर्म भेद से चिकित्सा में उपयोग, पाद प्रक्षालन, वमन, धौति बस्ति, स्नान का महत्व, भाप स्नान का प्रयोग एवं प्रकार, मिट्टी मर्दन का चिकित्सा में लाभ, सूर्य प्रकाश का महत्त्व एवं धूप स्नान, मर्दन के भेद एवं गुण तथा चिकित्सा में महत्व, चिकिम्सा में उपवास का महत्व।

Paper-IV

औषध द्रव्य परिचय

(क) आयुर्वेद-

1. आयुर्वेद की परिभाषा, आयु के प्रकार, आयुर्वेदावतरण (आत्रेय एवं धन्वनतरि सम्प्रदायानुसार) आयुर्वेद के अंग, बृहत्त्रयी एवं लघुत्रयी संहिताओं का सामान्य परिचय,
2. द्रव्य का लक्षण एवं परिभाषा, द्रव्यगुण ज्ञान का प्रयोजन, रस, गुण, वीर्य, विपाक कर्म एवं प्रभाव का सामान्य परिचय, लक्षण एवं भेद।
3. द्रव्यों का संग्रहण एवं संरक्षण विधि।
4. निम्नांकित औषध द्रव्यों का संक्षिवत परिचय एवं गुणकर्म का ज्ञान।
   त्रिफला, त्रिकटु, पंचकोल, दशमूल, एला, दालचीनी, तेजपात, नागकेसर, अजवायन, चन्द्रशूर, हिंगु, वचा, कुटकी, पुष्करमूल, कुलजंन, चोपचीनी, वायविडंग, गुडुची, कुटज, मदनफल, कर्कटश्रृंगी, कायफल, मंजीठ, हल्दी, दारूहल्दी, अतीस, लोध्र भिलावा भांग, अफीम, धतूरा, वत्सनाभ, जयपाल, कुचला, सर्पगन्धा अश्वगंधा, कर्पूर, चन्दन, जावित्री जायफल, लोंग, केसर, खस, नेत्रबाला, नागरमोथा, पित्तपापडा, चिरायता, पटोलपत्र, सहिजना; शतावरी इन्द्रायण बला, घृतकुमारी, पुनर्नवा भृंगराज, मकोय, मुलेठी, ब्राह्मी, शंखपुष्पी, वनफ्सा, गोजिहवा, लेहसवा, जूफा, अकरकरा, तालिशपत्र, ज्योतिष्मती, काँचनार, बाकुची, आरग्वध, गुग्गुल, अशोक, खदिर, अपामार्ग, वासा, सोनामुखी, एरण्ड, अर्क, रसोन, कपिकच्छु, शरपुंखा, गुडहल, सुदर्शन, पर्णबीज, नारिकेल, बबूल, नीम
5. निम्नांकित जान्तव द्रव्यों का परिचय व गुणधर्म का ज्ञान कस्तूरी, गोरोचन, कपर्द, शंख, शुक्ति, प्रवाल, मुक्ता, अम्बर, मृगश्रृंग, शम्बूक।

Paper V

रसशाला (Pharmacy) तथा औषध एवं पथ्य निर्माण

(क) आयुर्वेद :-

i. रसशास्त्र का परिचय एवं इतिहास का संक्षिप्त वर्णन,

ii. परिभाषा प्रकरण :- लवणपञ्चक, मधुरत्रय, अम्लवर्ग, पंचगव्य, द्रावकगण, रसपंक, भावना, ढालन,आवाप निर्वाप, शोधन, मारण तथा भस्म परीक्षा का वर्णन।

iii. औषध निर्माण में प्रयुक्त यन्त्र एवं उपकरण परिचय :-
दोलायन्त्र, डमरूयन्त्र, स्थालीयन्त्र, पालिका यन्त्र, स्वेदन यन्त्र, पुटयन्त्र, विद्याधर यन्त्र, घटयन्त्र, भूधर यन्त्र पाताल यन्त्र तथा तुलायन्त्र का सामान्य परिचयात्मक वर्णन एवं पल्वलाइजर, मिक्सर, ज्यूसर, टेबलेट मेकिंग मशीन तथा अन्य नवीन मशीनों का वर्णन। कोष्ठी निर्माण का सामान्य ज्ञान व उपयोग, सामान्य मूषा बज्रभूषा, पक्व मूषा तथा गोस्तनी मूषा का स्वरूप एवं उपयोग।

iv. पुट :- महापुट, गजपुट, वाराह पुट, कुक्कुटपुट, कपोतपुट, गोमयपुट, कुम्भपुट, बालूपुट भृधरपुट तथा लावकपुट का वर्णन।

v. रस :- साधारणरस, उपरस, महारस, धातु, उपधातु, रत्नोपरत्न, विषोपविष का सामान्य परिचय, शोधन एवं मारणविधि का वर्णन।

vi. कज्जली, अभ्रकभस्म, मयूरपिच्छभस्म, मण्डूरभस्म, मुक्तापिष्टी प्रवालपिष्टी जहरमोहरापिष्टी, अकीकपिष्टी त्रिभुवनकीर्तिरस, लक्ष्मीविलासरस, आनन्दभैरवरस, श्वासकुठाररस, चन्द्रामृतरस, सूतशेखररस, इच्छाभेदीरस, पुनर्नवामण्डूर, नवायसलौह, सप्तामृतलौह, पंचामृतपर्पटी, रसपर्पटी, श्वेतपर्पटी तथा रससिन्दूर, समीरप्रन्नगरस, मकरध्वज आदि की निर्माणविधिए गुणकर्म एवं मात्रा का वर्णन।

vii. मान परिभाषा :- पौतवमान, मागधमान तथा कलिंग मान का परिचय एवं आधुनिक मान का परिज्ञान।

viii. औषध मिश्रण पद्धति :- चिकित्सालय में प्रयुक्त औषधियों के अनुपात, सम्मिश्रण तथा मात्रा का परिज्ञान औषध प्रयोग काल (द्वादश) तथा अनुपान, चिकित्सा व्यवस्था-पत्रक के सांकेतिक चिन्हों का ज्ञान।

ix. यन्त्र, उपकरण तथा अन्य साधन सामग्री और कच्ची एवं निर्मित औषधियों को व्यवस्थित रखने की समुचित जानकारी का ज्ञान, निर्मित औषधियों की शीशियों पर लेबल लगााने की विधि का ज्ञान।

x. भैषज्य कल्पना :-
पंचविधकषाय कल्पना, क्षीरपाक, स्नेहसिद्धि, संधान कल्पना, अवलेह, चूर्ण, वटी, शार्कर (Syrup) कति अर्क, क्षर-सत्व, गुलकन्द, मुरब्बा निर्माण की प्रक्रिया उदाहरण सहित।

Paper VI
Computer education and Audio-visual medium

1. General Introduction of Computer and audio-visual system in Health Education
   - Computer, slide projector, over head projector, LCD Projector, Internet, Website E-mail, DVD &CD player,
   - Agencies of health education.
     (Local, state, national and International)
2. Introduction to DOS
3. Introduction to Word processing.
4. Introduction to database.
5. Graphics and use of statistical packages.
6. Windows application: word, excel, Power point, Multi media.
7. Computer Aided Teaching & testing.
8. Media.
   - Definition purpose and types of Media.
   - Preparation and Use of Audio-visual aids:
   - Graphics Aids, Printed aids, 3-D aids, Projected aids,

Limitations, advantages and uses of different types of Media.

1. शारीर
   (शरीर रचना एवं क्रिया)
   Anatomy and Physiology
2. परिचर्या के मुल सिद्धान्त
   Fundamental of Nursing
   स्वस्थवृत्त Hygene
   खण्ड-क - व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वास्थ्य
   (Personal and Community Health)
   खण्ड-ख- आहार एवं पोषण
   (Food and Nutrition)
   खण्ड-ग- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा
   (Yoga and Naturopathy)
3. औषध परिचय
   (Pharmacology)
   खण्ड-क- आयुर्वेद द्रव्यगुण

SECOND YEAR

Paper I

चिकित्सा परिचर्या

(Medical Nursing)

1. दोष धातु एवं मलों के क्षय- वृद्धि एवं प्रकोप के कारण एवं लक्षण, रोग का लक्षण एवं परिभाषा, रोग के भेद, निदानपंचक, षडविध क्रियाकाल, स्रोतस परिचय, उपद्रव, अरिष्ट विज्ञान।
2. रोगोत्पाद के सूक्ष्म जीव परिचय, वर्गीकरण, रचना, सूक्ष्मजीवों से रोगोत्पत्ति, संक्रमण से सुरक्षा एवं नियन्त्रण के उपाय, विज्ञप्ति पृथक्करण, स्वास्थ्य शिक्षा, व्याधि क्षमता।
3. प्रयोगशाला में सामान्य रक्त, मल, मूत्र शुक्र एवं ष्ठीवन (Sputum) के परीक्षण की विधि का ज्ञान।
4. चिकित्सा की परिभाषा एवं भेद, चिकित्सा परिचर्या का परिचय एवं महत्त्व।
5. प्राणवह स्रोतस की व्याधियों का परिचय जैसे- श्वास, कास, हिक्का, प्रतिश्याय, राजयक्ष्मा, हृदय रोग आदि में परिचर्या, पथ्य-व्यवस्था तथा सामान्य उपचार का ज्ञान।
6. उदक वह स्रोतस की व्याधियों का परिचय जैसे- उदकक्षय, शोध, तृष्णा आदि में परिचर्या, पथ्य-व्यवस्था तथा सामान्य उपचार का ज्ञान।
7. अन्नवह स्रोतस की व्याधियों का परिचय जैसे- अग्निमांध, अजीर्ण आनाह, आध्मान, छर्दी, अम्लपित्त, गृहणी-उदरशूल आदि में परिचर्या, पथ्य-व्यवस्था तथा सामान्य उपचार का ज्ञान।
8. रसवह स्रोतस की व्याधियों का परिचय जैसे- ज्वर पाण्डु, आमवात रक्तचाप (Hypertension) आदि में परिचर्या तथा सामान्य उपचार का ज्ञान।
9. रक्तवह स्रोतस की व्याधियों का परिचय जैसे- रक्तपित्त, कामला, वातरक्त कुष्ठ, शीतपित्त आदि में परिचर्या, पथ्य-व्यवस्था तथा सामान्य उपचार का ज्ञान।
10. मासवह स्रोतस की व्याधियों का परिचय जैसे- गलगण्ड, गण्डमाला, अपची ग्रन्थि, मांय- अर्बुद (Myama) आदि में परिचर्या, पथ्य-व्यवस्था तथा सामान्य उपचार का ज्ञान।
11. प्रमेह, मधुमेह, अस्थिशूल, संधिवात तथा प्रमुख वातव्याधियों का परिचय, परिचर्या, पथ्य-व्यवस्था तथा सामांन्य उपचार का ज्ञान।
12. क्लैव्य, बन्ध्यत्त्व रोगों का परिचय, परिचर्या, पथ्य-व्यवस्था तथा सामान्य उपचार का ज्ञान।
13. अतिसार, प्रवाहिका, उदरकृमि आदि रोगों का परिचय, परिचर्या, पथ्य-व्यवस्था तथा सामान्य उपचार का ज्ञान।
14. मूत्राघात, मूत्रकृच्छ, मूत्राश्मरी रोगों का परिचय, परिचर्या, पथ्य-व्यवस्था तथा सामान्य उपचार का ज्ञान।
15. विषमज्वर, आन्त्रिक ज्वर, श्वसन ज्वर, प्लेग, विसूचिका, मसूरिका (Small Pox), रोमांतिका (Maesets) फिरंग, उपदंश, एड्स आदि का परिचय, परिचर्या, पथ्य-व्यवस्था तथा सामान्य उपचार का ज्ञान।

Paper-II

शल्य-शालाक्य परिचर्या-

Surgical & E.N.T. and Ophthalmological Nursing

1. शल्य परिचर्या का परिचय एवं क्षेत्र, व्रण, व्रणशोथ, विद्रधि के निदान, सम्प्राप्ति लक्षण एवं उपद्रवों का ज्ञान।
2. शल्य निर्हरण एवं अष्टविध शस्त्रकर्म का ज्ञान।
3. रक्तस्तम्भन का ज्ञान, अग्निकर्म, क्षारकर्म, रक्तावषेचन (श्रृंग, अलाबू, जलौकावचारण, सिरावेध) का परिचय।
4. अग्रोपहरणीय (त्रिविध कर्म-पूर्व, प्रधान एवं पश्चात्) का ज्ञान, यन्त्र-शस्त्र का प्रकार, संख्या कर्म गुणदोष एवं उनके रखरखाव का ज्ञान, निचु, प्लोत, कवलिका, कुशा आदि का ज्ञान।
5. व्रणितोपासन का सामान्य ज्ञान एवं परिचर्या में महत्त्व, विसंक्रमण का ज्ञान, व्रणबन्धन के प्रकार एवं विधियों का ज्ञान।
6. गुदज विकार- अर्श, भगन्दर, परिकर्तिका, गुदभ्रंश का सामान्य ज्ञान एवं परिचर्या।
7. भग्न एवं संधिच्युति का सामान्य ज्ञान एवं परिचर्या। प्लास्टर ऑफ पेरिस द्वारा बन्धन का ज्ञान।
8. अश्मरी (पित्ताशय एवं मूत्रवह स्रोतस की अश्मरी) का सामान्य ज्ञान एवं परिचर्या।
9. वृद्धिरोग का सामान्य परिचय एवं परिचर्या।
10. आत्यायिक अवस्थाओं (जैसे- दुर्घटनाजन्य, दग्ध, विषजन्य तथा रोगजन्य) में प्राथमिक उपचार एवं परिचर्या।
11. नेत्र शारीर का ज्ञान, नेत्र रोगों की संख्या एवं उनका सामान्य परिचय, क्रियाकल्प (आश्च्योतन, तर्पण, पुटपाक, अँजन आदि) विधि का ज्ञान, राष्ट्रीय अन्धता निवारण कार्यक्रम की जानकारी, नेत्र रोगियों की परिचर्या।
12. नासा शारीर का ज्ञान, नासा रोग की संख्या एवं उनका सामान्य परिचय, नासा रोगों की परिचर्या, नस्यकर्म, विधि ज्ञान।
13. कर्ण शरीर का ज्ञान, कर्ण रोगों की संख्या एवं उनका परिचय, कर्ण रोगों की सामान्य परिचर्या, कर्णपूरण विधि का ज्ञान, श्रव्ययन्त्र का सामान्य परिचय, ध्वनि-प्रदूषण जन्य व्याधियों का सामान्य ज्ञान।
14. मुख शारीर (Oral Cavity) का ज्ञान, मुख रोगों की संख्या एवं उनका सामान्य ज्ञान, मुख्य रोगों की परिचर्या, क्रियाकल्प (कवल गण्डूष आदि) की विधियों का ज्ञान।
15. शिरोरोगों की संख्या तथा उनका सामान्य ज्ञान, शिरोरोगों में परिचर्या, शिरोबस्ति, शिरोधरा विधि का ज्ञान।

Paper-III

स्त्रीरोग एवं प्रसूति परिचर्या

(Gynecological – Maternity Nursing)

1. स्त्री जननांगों की रचना एवं क्रिया का ज्ञान।
2. शुक्र, आर्तवचक्र, ऋतुमती के लक्षण, गर्भाधान, गर्भिणी के लक्षण, पुंसवन संस्कार विधि।
3. गर्भ का मासानुमासिक विकास, गर्भिणी परिचर्या, गर्भिणी के सामान्य रोग, दोनद का माता एवं गर्भ पर प्रभाव, गर्भिणी में टीकाकरण, बहुगर्भ (Multiple Pregnancy), बहिगर्भ स्थिति (Ectopic gestation) गर्भस्राव, गर्भपात।
4. आसन्न प्रसवा के लक्षण, प्रसव क्रिया, प्रसव की अवस्थाऐं, प्रसव का प्रबन्धन, प्रसवागार की व्यवस्थाऐं, प्रसव सम्बन्धी यन्त्र शस्त्र तथा उपकरणों का ज्ञान।
5. असामान्य प्रसव (Abnormalities of Labour), विकृति स्थिति (Mal presentation) विकृत गर्भाशय क्रिया (Abnormal Uterine Action) मूढ़गर्भ, गर्भसंग, अपरासंग, प्रसवोत्तर रक्तस्राव आदि का सामान्य ज्ञान।
6. सूतिकाकाल, सूतिकारोग, सूतिका उपद्रव तथा सूतिका परिचर्या।
7. सामान्य स्त्रीरोग-असृग्दर, कृच्छार्त्तव, आर्त्तवक्षय, श्वेतप्रदर, योनिरोग, रजोनिवृत्ति, बन्ध्यत्त्व, रक्तगुल्म, गर्भाशय-योनिभ्रंश, स्त्री जननांग के अर्बुद एवं अर्श का ज्ञान तथा परिचर्या, उत्तरबस्ति-ड्यूस देने की विधि का ज्ञान।
8. स्तन रोग - स्तनविद्रधि, स्तन अर्बुद, स्तन्य दोष का ज्ञान एवं परिचर्या।
9. परिवार नियोजन का महत्त्व, साधन एवं उनके प्रयोगों का ज्ञान, जनसंख्या नीति, मातृमृत्युदर कम करने

Paper-IV

बाल स्वास्थ्य परिचर्या

(Child Health Nursing)

1. कौमारभृत्य परिभाषा, सामान्य वय विभाजन यथा जातमा, नवजात, क्षीराद, अन्नाद का ज्ञान/समयपूर्व प्रसव एवं कालातीत प्रसव प्रबन्धन, शिशु परिचर्या यथा शरीर की सफाई, कण्ठ विशोधन, प्राणवायु प्रत्यागमन, नाभिनाल उच्छेदन, स्नान, अभ्यंग, वस्त्रधारण, रक्षाकर्म, प्राशन, स्तनपान आदि का ज्ञान। शिशुशैय्य-निर्माण, कुमारागार। नाभिनाल से रक्तस्राव एवं पाक नवजात कामला का ज्ञान।
2. मातृस्तन्य के अभाव में प्रशस्तधात्री स्तन्यपान, धात्रीस्तन्य के अभाव में बकरी, गाय के दुग्ध को तैयार कर पिलाने की विधि। वयानुरूप दूध की मात्रा एवं समय निर्धारण का ज्ञान। क्षीरप अवस्था में तरल आहार देने का ज्ञान। वयानुरूप शारीरिक वृद्धि एवं मानसिक विकास का ज्ञान।
3. बालकों में टीकाकरण, अन्नप्राशन संस्कार
4. क्षीरान्नाद अवस्था में अन्य तरल आहार, अर्द्धतरल तथा ठोस आहार सम्बन्धी ज्ञान, दन्तोदभवन सम्बन्धी ज्ञान।
5. अन्नाद अवस्था का ज्ञान, मातृस्तन्य छुड़ाने की विधि, बाल क्रीड़ा स्थल एवं क्रीडनक (Toys) का ज्ञान।
6. किशोर अवस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तनों का ज्ञान, कुसंगतिजन्य बुरी आदतें एवं अशिष्ट व्यवहार सम्बन्धी ज्ञान।
7. निम्न रोगों का सामान्य ज्ञान एवं परिचर्या का ज्ञान, खण्डौष्ठ, तालुविकृति, मूक, जलशीर्षता, बद्धगुदा, नेत्राभिष्यन्द, कुकरकास, कास, प्रतिश्याय, श्वसनकज्वर, तुण्डिकेरीशौध, मुखपाक, अतिसार, उदरशूल, छर्दी, क्षीरालसक, कृमिरोग, विवन्ध, फक्क, बालशोष, क्वाशिथ्योरकर, मरास्मय, बालपक्षाघात, मृदभक्षणिकाजन्य पाण्डु, कामला, रोमांतिका, मूत्रकृच्छ।

Paper V

मनोस्वास्थ्य परिचर्या

(Mental Health Nursing)

1. मन की निरूक्ति, लक्षण, गुण विषय, कर्म, सत्व-रज-तम का विवेचन तथा इनका मन पर प्रभाव। मानसिक प्रकृतियों का ज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य एवं अस्वस्थता का अर्थ (Meanining of Mental Health and Illness)। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति की विशेषताऐं एवं लक्षण, मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक।
2. मन की रक्षात्मक क्रियाविधि- (Mental Defence Mechanism) परिचय, परिभाषा, वर्गीकरण, सकारात्मक मनोभाव, नाकारात्मक मनोभाव, मनोभावों का महत्त्व।
3. व्यक्तित्त्व एवं व्यक्तित्त्व के प्रकार (Personality and Types of Personality) परिचय, परिभाषा, व्यक्तित्त्व को प्रभावित करने वाले कारक, व्यक्तित्त्व को प्रभावित करने वाले कारक, व्यक्तित्त्व के प्रकार, व्यक्तित्त्व विकास के सिद्धान्त।
4. मनसिक स्वास्थ्य का आंकलन (Mental Health Assessment)
   - मनोरोगी का इतिहास संग्रहण (Psychiatric History Collection)
   - साक्षात्कार तकनीक (Interview Technic)
   - मानसिक स्तर परीक्षण (Mental Status Examination)
   - मानसिक भावों की अनुमान द्वारा परीक्षा
5. मनसिक रोगों के बारे में गलत धारणाऐं
6. मनोरोग एवं नर्सिंग प्रबन्धन-
   - मनोरोगों के आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार सामान्य कारण
   - मानसिक रोगों की संप्राप्ति
   - मनोरोगों का आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार वर्गीकरण
   - मनोरोगी के लक्षणों से सम्बन्धित शब्दावली
   - उन्माद
   - अपस्मार
   - अतत्त्वाभिनिवेश
   - मद्यज मानस विकृति
   - मद
   - मूर्च्छा
   - सन्यास
   - भ्रम
   - वातज मानस रोग- अपतन्त्रक
   - मनोदैहिक विकार (Psychosomatic disorders)
   - मनोत्तेजक पदार्थो के सेवन से उत्पन्न विकार (Psychoactive Substance Abuse disorders)
7. मनोरोगों में दैव व्यपाश्रय एवं सत्वावजय चिकित्सा का ज्ञान।

Paper VI

पंचकर्म नर्सिंग

(Panch Karma Nursing)

1. पंचकर्म की परिभाषा, प्रयोजन एवं महत्त्व
2. स्वेदन परिचय, प्रकार, विधि, काल, हीन, अति, सम्यक् स्वेद के लक्षण।
3. पूर्वकर्म-स्नेहन - अभ्यंग विवेचन, काल, प्रयुक्त स्नेह द्रव, गुण, अभ्यंग विधि (Mode of Massage) स्नेहपान, प्रकार, काल, मात्रा, अनुपान, सावधानियाँ, हीन, अतिसम्यक, स्नेहपान के लक्षण स्नेहव्यापदं
4. वमन - वमन परिचय, विधि, वमनोपग एवं वामक द्रव्य का ज्ञान, समयक वमन के लक्षण, हीन, अतियोग के लक्षण, संसर्जन क्रम, वमन व्यापद एवं नर्सिंग परिचर्या।
5. विरेचन - विरेचन परिचय, विधि-विरेचनोपग एवं विरेचन द्रव्य का ज्ञान, सम्यक विरेचन के लक्षण, हीन, अतियोग के लक्षण, संसर्जन क्रम, विरेचन व्यापद एवं नर्सिंग परिचर्या।
6. बस्ति- परिचय, बस्ति निर्माण विधि, बस्ति देने की विधि, बस्ति के प्रकार-निरूह, अनुवासन, कालकर्म एवं योगबस्ति का ज्ञान, उत्तरबस्ति, बृंहणबस्ति, माधु तैलिक एवं मात्राबस्ति का परिचय एवं ज्ञान, सम्यक, हीन, अतियोग के लक्षण, बस्ति व्यापद एवं नर्सिंग परिचर्या।
7. नस्य - परिचय, विधि, प्रकार, बृंहण, शोधन नस्य का ज्ञान, सम्यक, हीन, अतियोग के लक्षण एवं नर्सिंग परिचर्या
8. रक्तमोक्षण- परिचय, विधि, प्रकार, श्रृंग जलौका अलाबू, शिरावेध, रक्त की मात्रा का ज्ञान, सम्यक, हीन, अतियोग के लक्षण एवं नर्सिंग परिचर्या।
9. केरलीय पंचकर्म - परिचय, (A) धाराकर्म- शिरोधारा, उपकरण, प्रकार, तक्रधारा, क्षीराधारा, तैलधारा, निर्माण एवं प्रयोगविधि। (B) पिण्ड स्वेद - पत्रपिण्ड स्वेद, शालिशष्ठीक पिण्ड स्वेद, परिचय, प्रयुक्त द्रव्य, निर्माण एवं क्रिया विधि (C) कायसेक - शिरोबस्ति, पिडिच्छिल (Pizichil) परिचय, प्रयुक्त स्नेह, निर्माण एवं क्रिया विधि (D) शिरोलेप - परिचय, प्रयुक्त द्रव्य, निर्माण विधि एवं क्रियाविधि (E) अन्नलेप - परिचय, प्रयुक्त द्रव्य, निर्माण एवं क्रियाविधि।
10. जरावस्था एवं जरावस्थाजन्य व्याधियाँ - परिचय एवं परिचर्या।
11. रसायन परिभाषा, गुण, प्रकार एवं प्रयोगविधि तथा उपयोगिता का विवेचन
12. बाजीकरण - परिभाषा, बाजीकरण द्रव्य एवं उपयोगिता।

1. शरीर रचना एवं क्रिया

    a. मुकुन्द स्वरूप वर्मा

    b. प्रत्यक्ष शरीर - गणनाथ सेन

    c. शरीर क्रिया विभाग - शिवकुमार गौड़

    d. आयुर्वेद शरीर क्रिया - प्रियव्रत्त शर्मा

2. परिचर्या के मूल सिद्धान्त-

    a. आयुर्वेद परिचर्या के मूल सिद्धान्त - डॉ. अरूण सोबती एवं शान्ति अरोड़ा

    b. परिचर्या के सिद्धान्त - डॉ. कनक प्रसाद व्यास

    c. नर्सिंग के मूल सिद्धान्त - सिस्टर नेन्सी

3. स्वस्थवृत्त -

    a. स्वस्थवृत्त - शिवकुमार गौड़

    b. स्वस्थवृत्त विज्ञान - प्रो. रामहर्ष सिंह

    c. Hygiene in Public Health - Ghose

    d. Element of Hygiene and Public Health - Modi

4. औषध द्रव्य परिचय -

    आयुर्वेद - 1. द्रव्यगुण विज्ञान - प्रियव्रत्त शर्मा

    2. औषध द्रव्य - विश्वनाथ द्विवेदी

आयुष नर्सिंब एण्ड फार्मेसी प्रशिक्षण केन्द्र एवं चिकित्सालय के लिए आवश्यक न्यूनतम शैक्षिक, सहशैक्षिक एवं चिकित्सालय हेतु आवश्यक संसाधन।

चिकित्सालय हेतु आवश्यक संसाधन।

1. छात्रों को बैठने हेतु आवश्यक कुर्सी, मेज तथा स्टाफ के लिए कुर्सी, मेज अलमारी आदि की पर्याप्त उपलब्धता।
2. कक्षा- कक्षा में ब्लेक बोर्ड/व्हाईट मार्कर बोर्ड OHP, व्याख्यान स्टेण्ड, पंखे, लाईट की समुचित उपलब्धता।
3. शरीर रचना एवं क्रिया विषय के लिए -

   सुव्यवस्थित प्रदर्शनालय, जिसमें आवश्यक मॉडल, फोटो, चार्ट, स्लाईड अस्थियाँ आदि की व्यवस्था हो।

   - मानव शरीर के सभी संस्थानों के मॉडल
   - मानव शरीर के संरक्षित किये गये निम्न नमूने :-
     - मस्तिष्क - Human Brain
     - हृदय - Human Heart
     - यकृत - Human Liver
     - फुफ्फुस - Human Lung
     - वृक्क - Kidney
     - आमाशय - Stomach
     - अग्नाशय - Pancreas
     - आन्त्र - Intestine
     - गर्भाशय - Uterus

- चार्ट - अस्थि शरीर, पेशी शरीर, संधिशरीर, चक्र शरीर, कला शरीर, धमनी शिरा शरीर, इन्द्रिय शरीर
- न्यूनतम एं मानव कंकाल (Skeleton)
- शरीर क्रिया हेतु- पाचन संस्थान, श्वसन संस्थान, नाड़ी संस्थान, परिसंचरण तन्त्र, लसिका तन्त्र आदि के चार्ट
- दोष- धातु - मल - अग्नि के प्रकृति, लक्षण सम्बन्धी चार्ट

4. रसशास्त्र (फार्मेसी) विषय के लिए -

   यन्त्र

   - खरल यत्र - 5
   - धातु एवं पत्थर के अलग- अलग आकार के इमामदस्ता - 2
   - गैस स्टोव, भट्टी, चूल्हा
   - स्टील के भगौने, परात चम्मच, चाकू, प्लेट आदि आवश्यक बर्तन
   - माप करने के अलग-अलग आकार के पात्र
   - तैयार औषध रखने के लिए आवश्यक आकार के जार

- तुला यन्त्र
- मिक्सी, ज्यूसर, प्रेशर कुकर
- रस-उपरस, महारस, साधारण रस, धातु-उपधातु आदि के नमूने
- शोधन-मारण के चार्ट
- औषध मात्रा सम्बन्धी चार्ट
- पथ्य-अपथ्य आहार

5. द्रव्यगुण विषय के लिए
- रैक एण्ड शोकेश
- न्यूनतम जार, जिसमें शुष्क वनौषधियों के नमूने रखे जा सकें।
- हर्बेरियम शीट - वनौषधियों के नमूने एकत्रीकरण के लिए।
- चार्ट :-

    द्रव्य वर्गीकरण
    - सामान्य विशेष सिद्धान्त
    - रसपंचक - (रस, गुण, वीर्य, विपाक, प्रभाव)
    - पंचमहाभूत सिद्धान्त
    - बृहतत्रयी- लघुत्रयी संहिता ग्रन्थों एवं उनके कालों का आयुर्वेदावतरण।
    - आयुर्वेद के अंग
    - वनौषधियों के फोटोग्राफ

6. स्वस्थवृत्त विषय सम्बन्धी चार्ट-
- स्वस्थ्य लक्षण सुश्रुत-चरक
- आरोग्य लक्षण काश्यप संहिता
- की परिभाषा
- दिनचर्या का व्यावहारिक चार्ट- इन्द्रिय स्वास्थ्य रक्षण के संदर्भ में।
- ऋतुओं का चार्ट- जिसमें काल की गणना नवीन कलेण्डर से हो एवं ऋतु अनुसार दोषों का प्रभाव
- ऋतुचर्या
- आहार वर्गीकरण आहार वर्ग
- आधुनिक मतानुसार आहार वर्गीकरण
- आहार स्रोत के अभाव से होने वाले रोग-
- विरूद्ध आहार, अष्टांग अनुसार 08 प्रकार व्यावहारिक दृष्टिकोण अनुसार
- जनपदोध्वंश, प्रमुख संक्रमण रोग
- मादक द्रव्यों का शरीर पर प्रभाव
- व्यवसाय एवं पर्यावरण प्रदूषण से उत्पन्न रोग

नमूने -

- जल शुद्धिकर द्रव्य
- अणुतैल
- अंञ्न द्रव्य
- ताम्बूल द्रव्य
- सौन्दर्य प्रसाधन द्रव्य
- उद्वर्तन द्रव्य
- अभ्यंग द्रव्य
- पूतिरोधी द्रव्य

यन्त्र -

- लेक्टोमीटर
- नस्य यन्त्र
- धूम यन्त्र गुडगुडी, चिलम आदि

प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग -

चार्ट - अष्टांग योग

- सूर्य नमस्कार
- सचित्र विभिन्न योगासन
- प्राणायाम एवं प्रकार
- प्राकृतिक चिकित्सा सिद्धान्त
- षड्चक्र-षड्कर्म
- अभ्यंग प्रकार

7. कम्प्यूटर शिक्षण एवं श्रृव्य-दृश्य माध्यम-

- न्यूनमम 10 कम्प्यूटर आवश्यक
- फर्नीचर तथा 02 प्रिन्टर एवं स्केनर सहित
- स्लाईड प्रोजक्टर

8. रोगी परिचर्या विषय के लिए

चार्ट - चिकित्सा के चतुष्पाद

- परिचारक के गुण
- नर्स के गुण
- नाईटेगेल शपथ
- शैय्याओं के प्रकार
- नर्सिंग के दायित्त्व

उपकरण - थर्मामीटर, स्फिगोमैनोमीटर, (Sphygmomonometer) or (B.P. Instrument) एवं (Stethosoope) स्टेथोस्कोप अन्य परिचर्या सम्बन्धी उपकरण

9. चिकित्सालय के लिए आवश्यक साधन

बहिरंग विभाग-

1. चिकित्सा
2. शल्य-शालाक्य
3. स्त्री रोग प्रसूति एवं कौमारभृत्य
4. होम्योपैथी
5. यूनाली

नोट- अतिरिक्त आवश्यकतानुसार संचालित की जा सकती है।

यन्त्र एवं उपकरण-

वितरण कक्ष-

1. अलग-अलग आकार के जार - यथावश्यक
2. तुलायन्त्र - आवश्यकतानुसार
3. खरल
4. अलग-अलग आकृति के चम्मच - आवश्यकतानुसार
5. आयुर्वेद/यूनानी/होम्योपैथी - औषध यथा भस्म, चूर्ण, बटी, क्वाथ, अवलेह आदि

10. रजिस्ट्रेशन स्वागत -

1. अन्तरंग-बहिरंग रोगी रजिस्टर
2. व्यवस्था पत्रक
3. भर्ती पत्रक

11. अंतरंग विभाग - 25 शैय्याओं के लिए

1. पुरूष एवं महिलाओं के लिए अलग-अलग वार्ड, प्रसाधन की सुविधायुक्त
2. लोहे के पंलग - 25
3. बैडसाइड लाकर्स - 05
4. रोगी चार्ट होल्डर - 25
5. स्ट्रेचर - 01
6. ट्रोली - 01
7. Enamal Bowels – 03
8. Bed Pan – 04
9. Urine Pot (Male & Female) – 04 – 04
10. Ice Bangs – 02

11. Hot Water Bags – 03
12. Tongue Depressor – 03
13. Syringes – 2, 5, 20 m.l. – 05 – 05
14. Dressing Drums – 02
15. Enema Pot with Nozzle and tube – 05
16. Enemas Syringes – 05
17. Torches – 03
18. Scissors – 04
19. Sputuammugs – 03
20. Measuring glasses – 01
21. Chair trolley with wheels – 01
22. Wastage trolley – 01
23. Nebulizer – 02
24. Glucometer – 01
25. Weighing machine - 01

12. Consumable Articales

1. Matteresses Foam – 25
2. Mattreses Cover –
3. Bed Sheets – 50
4. Pillow – 25
5. Blankets – 50
6. Maikintosh Sheet – 10
7. Gloves – as per requirement
8. Dust Bin – 04
9. Diet Card, Diet Sheets, Discharge card etc. – as per requirement

Kitchen –

1. LPG gas cylinders with stove – 01
2. Different size utensils to cook Diet of 25 patients
3. Diet trolley with pots
4. Hot pots

13. Pathology Laboratory

1. Beakers (Different Sizes) – 05
2. Micro pipettes (Different Sizes) – 02
3. Spirit Lamp – 04

4. Capillary tubes – 1 Box
5. Test tube –
    - Medium – 50
    - Small – 50
6. Centrifuge Machine – 01
7. Incubator – 01
8. Microscope (Binocular) – 01
9. Student Microscope – 05
10. Regrigerator – 01
11. E.S.R. Stand with tube wester green – 02
12. Hoemoglobine meter – 03
13. Stop watch – 01
14. Semi Auto analyser – 01
15. Hoemo cytometer -02

Chemicals – As per Test requirements

14. पंचकर्म के लिए आवश्यक साधन-

स्वेदन -

1. साग्नि एवं निराग्नि स्वेद हेतु कक्ष
2. गैस/स्टोव/हीटर - 01
3. टेबल लम्बा - 02
4. प्रेशर कुकर 20 लीटर का जिसमें नोजल एवं ट्यूब लगी हो - 01
5. रिवॉल्विंग स्टूल - 02
6. कम्बल/चादर - यथावश्यक
7. तौलिया/नेपकीन - यथावश्यक
8. सर्वांग, स्वेद पेटिका - 01
9. इन्फ्रारेड लैम्प - 02
10. रूक्ष स्वेद पोटली
11. पत्रपिण्ड

1. स्नेहन -

    1. स्नेहन के लिए कक्ष पुरूष/महिलाओं के लिए

2. मापन ग्लास -

    50 ml. – 01

    100 ml. – 01

    200 ml. – 01

3. गैस चूल्हा

4. अभ्यंग टेबल/द्रोणी

5. स्टील के प्याले

    50 ml. – 03

    100 ml. – 03

6. शिरोधारा के लिए

    1. शिरोधारा यन्त्र - 02

    2. स्टेण्ड - 02

    3. धारापात्र - 02

7. शिरोबस्ति -

    प्लास्टिक कैप/चमड़े की कैप

    बड़ी आकृति - मध्यम-छोटी- 02 - 02 - 02

8. वमन -

    1. मैजरिंग ग्लास

        1 लीटर - 02

        200 ml. – 02

        100 ml. – 01

        50 ml. – 02

    2. प्लास्टिक बॉल वामन द्रव्य मापन स्केल सहित - 02

    3. वामन पीठ - 02

    4. धूपन यंन्त्र - 02

    5. वामक द्रव्य/वमनोपग द्रव्य/ आपातकालीन द्रव्य

बस्ति -

    बस्ति यन्त्र - 02

    उत्तर बस्ति यन्त्र

    कैथेटर रबड़ एवं मेटल के अलग-अलग साईज

    सिमस स्पेकूलम - 02

    ग्लिसरीन सिरिंज - 02

    काँच/प्लास्टिक सिरिंज -

        100 ml. – 02

        50 ml. – 02

        20 ml. – 2

क्षारसूत्र कक्ष -

    शल्य कक्ष मय आवश्यक - उपकरण एवं सामग्री से सुसज्जित।